ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekd ,Q@,xk@,xkeV-@26 | fnukd 25.06.2026
ftyk& chdkuj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 25 जून 2026 से 29 जून 2026 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः
गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 40.0 से 43.3 °C एवं न्यूनतम तापमान 20.5 से 24.0°C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 46 से 90% रही ।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (25.06.2026 से 29.06.2026) 25.06.2026 को घने बादल छाए रहने, 26.06.2026 को बादल छाए रहने 27.06.2026 से 28.06.2026 तक पूर्णाच्छादित छाए रहने, 29.06.2026 को आंशिक बादल छाए रहने न्यूनतम तापमान 25.0°C और अधिकतम तापमान 40.0-41.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी और पश्चिमी उत्तरी पश्चिमी दिशा से कम से मध्यम गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	25.06.2026	26.06.2026	27.06.2026	28.06.2026	29.06.2026
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
आसमान में बादलो की स्थिति	घने बादल	बादल	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित	आंशिक बादल
अधिकतम तापमान (° C)	**40**	**40**	**41**	**41**	**41**
न्यूनतम तापमान (° C)	**25**	**25**	**25**	**25**	**25**
वायु दिशा	पश्चिमी	पश्चिमी	पश्चिमी	पश्चिमी उत्तरी पश्चिमी	पश्चिमी
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**48**	**46**	**40**	**37**	**39**
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**24**	**26**	**22**	**21**	**21**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**2**	**3**	**3**	**4**	**4**
वर्षा (एम.एम.)	**01.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह

- गर्मी के जोखिम से बचें और यथासंभव छायादार स्थान में रहें।
- शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ।
- मेघगर्जन व आकाशीय बिजली चमकने के दौरान पेड़, खम्भों व पानी के स्रोतों से दूर रहें व सुरक्षित जगह पर शरण लेवें।
- क्षारीय वाले खेतो मे मानसून की वर्षा शुरू होने से पहले गहरी जुताई करके जिप्सम या सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर रखे ।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
ख़रीफ़		तैयारी	मानसून या मानसून के पूर्व की वर्षा का लाभ लेने के लिए ख़रीफ़ फसलो की बुवाई की तैयारी रखे। उन्नत बीज, बीज उपचार के लिए रसायन उर्वरक आदि की व्यवस्था करें और अच्छी मात्रा में वर्षा होने पर बुवाई करें।
मूंगफली	बुवाई	खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीज दर, फसल ज्यामिति, उर्वरक, किस्में एवं बीज उपचार	मूंगफली की बुआई का उपयुक्त समय शुरू हो चूका है । जमीन तैयार करें और बीज, खाद, औजार आदि की व्यवस्था करें। मूंगफली की बीज दर 20 किग्रा प्रति बीघा प्रयोग करें। मूँगफली मे बिजाई से पहले 2.5 ग्राम क्लोरोथेलोनिल या 2 ग्राम कार्बेण्डाजीम प्रति किलो की दर से उपचारित करे । जहाँ सफेद लट का प्रकोप हो वहाँ 3 मिली लीटर प्रति किलो की दर से इमिडाक्लोप्रिडकाम मे लेवें। इसके बाद राइजोबियम पी एस बी जीवाणु खाद 3 पैकेट/है. की दर से उपचारित करे । बुवाई के समय 44 किग्रा यूरिया एवं 200 किग्रा एस एस पी /है की दर से उर्वरक काम में लेवें। बिजाई के लिए उन्नत बीज जैसे आरजी-510, एचएनजी-123, मल्लिका, एचएनजी-69, एचएनजी-10, टीजी37 ए आदि उन्नत क़िस्मों के बीज की बिजाई करें।
बाजरा		खेत की तैयारी, बुवाई	मानसूनी बारिश होने पर बारानी बाजरा की बुआई की तैयारी करें। बी एच बी 1602, बी एच बी 1202, आर एच बी 223 एच एच बी 299 आदि उन्नत किस्मों के बीज की व्यवस्था करें।
मूंग	बुवाई की तैयारी	बुवाई का समय, बीज दर, एवं किस्में	मूंग की बुवाई के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा उचित समय है इसके लिए एस.एम.एल -668, एमएच-421, एमएच-1142, वर्षा (आईपीएम 2के14-9), शिखा (आईपीएम 410-3), आर.एम.जी.-62, आर.एम.जी.-268 व आर.एम.जी.-492 किस्मे अच्छी है, बुवाई के लिए 4 किलो बीज/बीघा की दर से बोएं।
उद्यानिकी		सिंचाई	उद्यानिकी फल फसलों जैसे खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू एवं सब्जी फसलों जैसे ककड़ी, तरबूज, खरबूज, टिंडा एवं टमाटर की समय पर सिंचाई करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियों	फलन	फलों की तुडाई	ग्रीष्मकालीन कुष्माण्ड कुल की सब्जियों तथा तरबूज व खरबूज के फलों की तुडाई फलों के पकने पर ही करें । फल के पास के डण्ठल का सूखना, बजाने पर डल आवाज आना, फल के रंग में परिवर्तन होना फलों के पकने का संकेत है । पानी देने के तुरन्त बाद (12-24 घन्टे) कच्चे फल न तोडे क्योकि कच्चे फल तोड़ने के बाद में पकते नहीं है।
ज्वार	पहली कटाई	ज्वार की विषाक्तता कम करें	अप्रैल में बिजाई की गई ज्वार में जहरीला पदार्थ धुरिन हो सकता है जो पशुओं के लिए हानिकारक है अतः 2-3 पानी लगाने या अच्छी वर्षा के तुरंत बाद ही पशुओं को खिलाने के लिए काटें।
पशुधन		स्वास्थ्य प्रबंधन	दुधारू पशुओं में स्तनदाह से बचाव के उपाय अपनाएं। पेट के कीड़ों की दवा की मौखिक खुराक दें। पशुओं को लू से बचाएं। पशुओं को अच्छी गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध करायें। तेज़ हवा की गति को देखते हुए अपने आप को और जानवरों को पुराने/क्षयग्रस्त आश्रयों और दीवारों से दूर रखें।

सह-आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर - ग्रामीण कृषि मौसम सेवा